(ख) यदि हां, तो 1 जनवरी, 1994 तक रक्षा विभाग में कितनी महिलायें नियुक्त की गई;

(ग) क्या सरकार का इस नीति को जारी रखने का विचार है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी, हां ।

(ख) से (ङ) एक विवरण संलग्न है ।

विवरण

01 जनवरी, 1994 की स्थिति के अनुसार जिन महिला अधिकारियों को तीन सेनाओं की कुछ विशेष शाखाओं/कोरों (सेना चिकित्सा कोर, सेना दैत-चिकित्सा कोर तथा सैन्य परिचर्या सेवा को छोड़कर जिनमें महिलाओं को भर्ती करने की परम्परा पहले से रही है/ में भर्ती किया गया था, उनकी संख्या इस प्रकार है :–

थलसेना	50
नौसेना	35
वायुसेना	55

दूसरे बैच की 25 महिलायें सेना में और 49 महिलायें वायुसेना में भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण ले रही थीं ।

2 सशस्त्र सेनाओं की कुल विशेष शाखाओं/कोरों में महिलाओं को अल्पकालीन कमीशन अफसर के रूप में भर्ती करने की योजना प्रायोगिक आधार पर प्रारंभ में 5 वर्ष के लिये अनुमोदित की गई है । वायुसेना की तकनीकी शाखाओं के मामले में, उनकी कार्य-अवधि प्रारंभ में 3 वर्ष निर्धारित की गई है । इस योजना की कार्यविधि की पुनरीक्षा की जायेगी और प्राप्त अनुभव के आधार पर यह निर्णय लिया जायेगा कि इसे जारी रखा जाए अथवा नहीं ।

Pending medical claim of ex-serviceman

3103. SHRI T. A. MOHAMMED SAQHY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received any petition from an Ex-Serviceman (142278 EXHAV Reg. Sr. No. 117) regarding payment of medical claim for the emergency operation conducted at Contra Costa country Martinez Hospital, California, U.S.A: to remove piece of grenade splinter from his Kidney;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether it is a fact that a piece of grenade in the stomach was not removed when operated in Army Hospital, Delhi on 4th May, 1975;

(d) if so, what are the reasons therefor and what are the reasons for not setting the claims; and

(e) the number of such cases pending with details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b) Two applications dated 1st August, 93 and 22nd October, 93 were received from the ex-Serviceman for reimbursement of US $ 8399.61 spent by him on treatment in a private hospital in USA.

(c) In all the major operations conducted on the individual, the surgical effort was directed at repairing the multiple perforations and establishing anatomical continuity along the intestinal tract as life saving measures. In such circumstances probing for presence of foreign metalic body was of low priority and may have even proved dangerous to life.

(d) The ex-Servicemen are not entitled to reimbursement of medical claims for treatment in private hospitals. Accordingly, the claim of ex-Serviceman on this account has not been entertained.

(e) No other such cases have been reported.